FACULTY OF STUDIES
BSF Academy, Tekanpur
Phone 07524-274100, 200, 300/ Extn 321

PRESS NOTE

संख्या–1052/प्रेसनोट/अ0सं0/2015/ *19 नवम्बर 2015*

अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता –2015।
घुड़सवारों में जारी है मैडल जीतने की हौड़।

टेकनपुर। 19 नवम्बर 2015। 34वीं अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता – 2015 को देखने के लिए दर्शकों में उत्साह बढ़ रहा है जिससे दिनों–दिन दर्शकों की संख्या में वृद्धि हो रही है। प्रतियोगिता देखने वाले दर्शकों में महिलाएं बुजुर्ग व बच्चे भी शामिल हैं।

घुड़सवारी का इतिहास देखने से पता चलता है कि घुड़सवारी ईसा पूर्व से चली आ रही है लेकिन घुड़सवारी प्रतियोगिता की शुरूआत इंगलैंड देश में 18वीं शताब्दी में की गई थी इस समय घुड़सवारी प्रतियोगिता में किसी प्रकार के नियम नहीं होते थे। इंगलैंड के लोग घोड़े पर बैठकर जंगली जानवर का शिकार किया करते थे। शिकार करते समय जब जानवर अपने बचाव में खुली जगह पर भागता था तब घुड़सवार अपने शिकार का पीछा करते समय रास्ते में किसी तरह की बाधा या रूकावटें आती थी जिसे घुड़सवार घोड़ा जम्प करवाकर पार करता था जिससे जम्पिंग प्रतियोगिता की शुरूआत हुई। सन् 1869 में इस प्रतियोगिता का आयोजन बड़े स्तर पर किया गया जिसे डबलिंग होर्स सौ लेम्पिंग के नाम से जाना जाता है। सन् 1907 में इंगलैण्ड के आलंपिया स्थान प्रतियोगिता आयोजित की गई उस समय तक इसमें कोई निश्चित नियम नहों थे। सन् 1923 में इस प्रतियोगिता को निश्चित नियम बनाकर खेला गया। आज के युग में यह प्रतियोगिता बहुत ही लोकप्रिय है जिसे विश्व के अधिकांश देशों में खेला जाता है।

आज ड्रैसेस प्रतियोगिता आयोजित की गई जो कि चार चरणों में पूरी की जाती है। जिसके नाम बाघ, थरोट, केन्टर और गोल्फ है। इस प्रतियोगिता में घोड़ा का ठीक से रूकना, घुड़सवार और घोड़े का तालमेल, घोड़े को तैयार करना एवं निश्चित चिन्ह के पास जाकर उसके सिद्धांत के अनुसार घोड़े की चाल को बदली करना शामिल है। प्रतियोगिता में देखन वाली बात यह है कि यह बहुत ही जोखिम भरी प्रतियोगिता है जिसमें घुडसवार को चौंट लगने का अंदेशा बना रहता है लेकिन घुडसवार अपने कार्य में इतना माहिर होता है कि इन प्रतियोगितओं को पलक झपकते ही पूरी कर लेता है। इस प्रतियोगिता में

नोट – प्रकाशन करते समय कृपया अधिकारियों के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाये।

एनपीए हैदराबाद टीम का प्रदर्शक दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया।

आज ट्रेनी जम्प प्रतियोगिता आयोजित की गई। यह प्रतियोगिता 10 से 16 चरणों में पूरी होती है जिसमें सबसे ऊंची बाधा 5 फिट 3 इन्च की होती है जिसे घुड़सवार घोड़े को कुदाकर पार करता है। इस प्रतियोगिता में समय का महत्व होता है प्रतिभागी को समय व नियमनासार प्रतियोगिता पूर्ण करना होता है। इस प्रतियोगिता में आईटीबीपी टीम के आरक्षक/राईडर अजीत कुमार घोडा– तूफान के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। सीसुबल टीम के आरक्षक गोविंद राम, घोडा – जोधा के सांथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

इस तहर सीसुबल अकादमी टेकनपुर में घुड़सवारी प्रतियोगिता से चहल–पहल बनी हुई है। सीसुबल अकादमी में दिनांक 21 नवम्बर 2015 को 50वां स्थापना दिवस पर भव्य सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यकम का आयोजन किया जा रहा है। अकादमी निदेशक श्री एस एस तोमर के निर्देशन में 50वां स्थापना दिवस को यादगार बनाने के लिए तैयारी पुरजोर पर है। ज्ञात हो कि सीसुबल अकादमी टेकनपुर की स्थापना ट्रेनिंग सेंटर एण्ड स्कूल नाम से 01 फरवरी 1966 को हुई थी। 21 नवम्बर 1966 को इसका नाम बदलकर सीमा सुरक्षा बल अकादमी रखा गया। ब्रिगेडियर बी सी पाण्डे, पद्मश्री अकादमी के प्रथम अकादमी प्रमुख थे। इस प्रशिक्षण संस्थान में सीसुबल के कार्मिकों एवं अन्य केंद्रीय पुलिस संगठनों के कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

कमाण्डेन्ट
अध्ययन संकाय

नोट – प्रकाशन करते समय कृपया अधिकारियों के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाये।

नोट – प्रकाशन करते समय कृपया अधिकारियों के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाये।